

এবার নবীন মস্ত্রে হবে জননী তোর উদ্বোধন ।  
নিত্যা হয়ে রইবি ঘরে, হবে না তোর বিসর্জন ॥

সকল জাতির পুরুষ-নারীর প্রাণ  
সেই হবে তোর পূজা-বেদী মা তোর পীঠস্থান,  
সেথা শক্তি দিয়ে ভক্তি দিয়ে পাতবো মা তোর সিংহাসন ॥

সেথা রইবে নাকো ছোঁয়াছুঁয়ি উচ্চ-নীচের ভেদ,  
সবাই মিলে উচ্চারিব মাতৃ-নামের বেদ ।

মোরা এক জননীর সন্তান সব জানি  
ভাঙব দেয়াল, ভুলব হানাহানি,  
দীন-দরিদ্র রইবে না কেউ সমান হবে সর্বজন-  
বিশ্ব হবে মহাভারত, নিত্য-প্রেমের বৃন্দাবন ॥

এইচএমভি এন. ২৭৩৯৫ ॥ শিল্পী : সত্য চৌধুরী ॥ আগমনী ॥ তাল : দাদরা

|     |    |    |      |    |       |     |      |   |       |      |      |    |    |     |    |       |    |   |
|-----|----|----|------|----|-------|-----|------|---|-------|------|------|----|----|-----|----|-------|----|---|
| II{ | সা | সা | -দা  |    | পা    | মা  | -া   | I | মা    | পা   | মা   |    | পা | জ্ঞ | রা | জ্ঞসা | I  |   |
|     | এ  | বা | র্   | ন  | বী    | ন্  | মন্  | ০ | ত্রে  | ০    | হ    | বে | ০  |     |    |       |    |   |
| I   | সা | রা | জ্ঞা |    | রজ্ঞা | -মা | -পা  | I | জ্ঞরা | -ম   | জ্ঞা | ঝা |    | সা  | -া | -া    | }I |   |
|     | জ  | ন  | নী   | তো | ০     | র্  | উ    | ০ | দ্    | বো   | ধ    | ০  | ন্ |     |    |       |    |   |
| I   | সা | -া | দা   |    | পা    | ণদা | -পমা | I | মা    | -ণদা | দ    | পা |    | স   | পা | ণসা   | -া | I |
|     | নি | ০  | ত্যা | হ  | য়ে   | ০   | ০    | ০ | র     | ০ই   | বি   | ঘ  | রে | ০   | ০  |       |    |   |
| I   | মা | পা | দা   |    | পা    | -া  | -স   | I | পা    | মা   | -সা  |    | মা | -া  | -া | II    |    |   |
|     | হ  | বে | না   | তো | ০     | র্  | বি   | স | র্    | জ    | ০    | ন্ |    |     |    |       |    |   |

II { মঞ্জা মা -া | মা গদা -গা I গা গা -গর্সা | সর্সা গদা -গা I  
 স ক ল্ জা তি০ র্ পু রু ০ষ্ না রী০ র্

I গা -সর্সা -া | -া -া -া I পা -দা গা | সর্সা রী -া I  
 প্রা ০ ০ ০ ০ গ্ সে ই হ বে তো র্

I রা সর্সা -মঞ্জা | ঋ সর্সা -া<sup>র্</sup> I গর্সা গদা -া | গা সর্সা -ঋসর্সা I  
 পূ জা০ ০০ বে দী ০ মা০ তো০ র্ পী ঠ০ ০স্

[সর্সা সর্সা]

সে থা

I সর্সা -গর্সা -া | -া (-া -া) } I { সর্সা -সর্সা সর্সা | গধা গা -া I  
 থা০ ০০ ০ ০ ০ ন্ শ ০ক্ তি দি০ য়ে ০

I গা -গর্সা গা | দপা দা -া I সা -ঋ মা | পা দা -সর্পা I  
 ভ ০ক্ তি দি০ য়ে ০ পা ত্ বো মা তো ০র্

I পা -প্দা পা | মা -া -া } II  
 সিং ০ হা স ০ ন্

সা সা II<sup>স</sup> রা -মা মা | পা দা -পা I মা জ্ঞা সা | মা -া -া I  
 সে থা র ই বে না কো ০ ছৌ য়া ছুঁ য়ি ০ ০

I মা -মপা মা | জ্ঞা রজ্ঞা -সরা I<sup>র্</sup> জ্ঞা -া -া | -া -া -া I  
 উ ০চ্ চ নী চে০ ০র্ ভে ০ ০ ০ ০ ০ দ্

I { দা দা -সা | সা সরা -সরা I রা -জ্ঞা জ্ঞা | রা <sup>ব</sup>জ্ঞা -সা I  
 স বা ই মি লে০ ০০ উ চ্চ চা রি ব ০

I ( সা -রা জ্ঞা | <sup>প</sup>মা জ্ঞরা -মজ্ঞা I জ্ঞা -সা -া | -ণসা -া -দা) } I  
 মা ০ ত্ভ না মে০ ০ৰ বে ০ ০ ০০ ০ দ্

I সা -রা জ্ঞা | <sup>প</sup>মা জ্ঞৰা -জ্ঞৰা I সা -া -া | -া সা সা<sup>ৰ্ধ</sup> I  
 মা ০ ত্ভ না মে০ ০ৰ বে ০ ০ দ্ মো রা

I { <sup>প</sup>সা -সা গদা | গা সা -ৰ্ধা I <sup>প</sup>সা -সা গদা | -া গা -সৰ্ধা I  
 এ ক্ জ০ ন নী র্ স ন্ তা০ ন্ স ০ব্

I <sup>প</sup>সা সা -া | -া -া -া I <sup>দ</sup>পা -দা গা | সৰী সৰী -মজ্ঞা I  
 জা নি ০ ০ ০ ০ ভা ঙ্ ব দে০ যা০ ০ল্

[-া -া]

০ ০

I রা -া সৰ্গা | সা সৰী -জৰ্মজ্ঞা I <sup>প</sup>সা সা -া | -া (সা সা<sup>ৰ্ধ</sup>) } I  
 ভু ল্ ব০ হা না০ ০০০ হা নি ০ ০ মো রা

I { সা -ৰ্ধা গা | গা -সা দা I পা -গা <sup>প</sup>সা | দা পা -া I  
 দী ন্ দ রি ০ দ্ৰ ব ই বে না কে উ

I সা ঋ -মা | গা মা -পা I মা -পা <sup>প</sup>দা | পা -া -া } I  
 স মা ন্ হ বে ০ স র্ ব জ ০ ন্

I दा -सा सा | सा रज्जा -सरा I रा ज्जा रा | ज्जा -ा -ा I  
 वि ० श्व ह बे० ०० म हा भा र ० त्

I सा -रा ज्जा | पा प<sup>मा</sup> -ा I ज्जरा -<sup>म</sup>ज्जा ऋ | सा -ा -ा I  
 नि ० त्य प्रे मे र् वृ० न् दा व ० न्

I सी -ा प<sup>दा</sup> | गा -सा -ा I -ा -ा -ा | -ा -ा -ा III II  
 वृ न् दा व ० ० ० ० न् ० ० ०